(c) The details of the non-operating expenditure for 1961-62 and 1962-63 are given below:

	1961-62	1962-63
	Rs.	Rs.
1, Additional provision for obsolescence of spares	10,49,361	—
2. Loss due to Devaluation of Pakistan Currency	2,85,561	5,71,122
3. Development Rebate Reserve	—	40,00,000
TOTAL	13,34,922	45,71,122

The increase in the non-operating expenditure during 1962-63 is due to the fact that the Corporation have, unlike in the previous year, made a provision of Rs. 40 lakhs for Development Rebate Reserve during 1962-63.

Bookings of Air India

13. { **Shri Dhuleshwar Meena:**
Shri Ramchandra Ulaka:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) the bookings of Air India Corporation from October, 1962 to date; and

(b) whether any increase in the bookings was registered?

The Deputy Minister in the Ministry of Transport and Communications (Shri Mohiuddin): (a) Air India carried a total of 78,569 passengers on its services during the period October 1962 to March, 1963.

(b) Yes Sir. The increase in the bookings was 16.4 per cent. as against the corresponding period of October 1961 to March 1962 when 67,469 passengers were carried.

Telephone Revenue in Orissa

14. { **Shri Dhuleshwar Meena:**
Shri Ramchandra Ulaka:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) the total telephone revenue outstanding at present in Orissa; and

(b) the steps taken or being taken by Government to recover the same?

The Deputy Minister in the Ministry of Transport and Communications (Shri Bhagavati): (a) A sum of Rs. 2·52 lakhs was outstanding on 31-3-1963 in respect of bills issued upto 30-9-1962.

(b) The telephone revenue accounting office is being shifted from Calcutta to Cuttack. Special steps will also be taken to reduce outstandings on the transfer of the office.

Telephone System in Orissa

15. { **Shri Dhuleshwar Meena:**
Shri Ramchandra Ulaka:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state the names of places in Orissa where telephone system is going to be introduced during 1963-64 and 1964-65?

The Deputy Minister in the Ministry of Transport and Communications (Shri Bhagavati): Telephone exchanges and P.C.Os are proposed to be opened during 1963-64 and 1964-65 at the following places, subject to availability of stores:—

During 1963-64

Exchanges

1. Banpur, Balugaon.
2. Sore
3. Betnati.
4. Chandbali.
5. Sakhigopal.
6. Joda.
7. Paradip.

P.C.Os.

1. Aul.
2. Joranda.
3. Rajkishorenagar.
4. Chhnedipada.
5. Raijheran.
6. Sarangi.
7. Boirani.
8. Ummarkot.

During 1964-65

Exchanges

1. Nayagarh, Itamati.
2. Kendrapara.
3. Kuchinda.
4. Rerakhol.
5. Sonepur.
6. Nwapara Tonwant.
7. Gunupur.
8. Bisra.
9. Brajrajnagar.
10. Rajgangpur.

P.C.Os.

1. Surada.
2. Kalapather.
3. Bagdia.
4. Jherpara.
5. Gondia.
6. Gobindpur.
7. Tigiria.
8. Baramba.
9. Narasingpur.
10. Rajkanika.
11. Telkoi.
12. Pattangi.

'जल राजेन्द्र' में अग्निकाण्ड

१६. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** क्या परिवहन तथा संचार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय मालवाहक जहाज 'जल राजेन्द्र' में कुछ समय पहले आग लग गई थी ;

(ख) यदि हां तो किन परिस्थितियों में यह घटना हुई ;

(ग) इससे कितनी हानि हुई ; और

(घ) क्या सारी बातों की जांच की गई है ?

परिवहन तथा संचार मन्त्रालय में नौवहन मन्त्री (श्री राज बहादुर) : (क) जी, हां ।

(ख) से (घ). यह जहाज इस समय यू० के० में है । आग लगने का कारण और उससे हुई क्षति जहाज के भारत लौट आने पर प्रारम्भिक जांच के बाद ही मालूम होगी ।

गोसंवर्द्धन परिषद् को अनुदान

१७. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय गोसंवर्द्धन परिषद को १९६१-६२ में कितना अनुदान दिया गया और उसमें से कितना रुपया किन मुख्य मदों में खर्च किया गया ;

(ख) परिषद् को १९६२-६३ में कितना अनुदान दिया गया और वह किन मदों में खर्च किया गया ;

(ग) १९६३-६४ के लिए अनुदान की स्वीकृत राशि क्या है ; और

(घ) क्या परिषद् के कार्यों का कभी मल्यांकन किया गया है ?

खाद्य तथा कृषि मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री अ० म० थामस) : (क) और (ख). दो विवरण सभा पटल पर रखे गये हैं (**पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या** LT-1372/63].

(ग) खाद्य और कृषि मन्त्रालय के बजट में ८,८५,००० रुपये की व्यवस्था कर ली गई है ; इसमें से ३५०,००० रुपये अब तक परिषद् को दे दिये गये हैं ।

(घ). १९६० में, जबकि इसकी रचना तथा इसके कार्यों को विस्तृत करने का निर्णय किया गया था, सरकार ने परिषद् के कार्यों का पुनर्विलोकन किया था । परिषद् के कार्यों का वर्ष में कम से कम ३ बार पुनर्विलोकन कार्य समिति द्वारा तथा कम से कम २ बार